डीएफआइडी देगा बिहार को 500 करोड़

शहरी विकास पर आयोजित सेमिनार का उद्घाटन करते मंत्री प्रेम कुमार. साथ में हैं डीएफआइडी के कंट्री हेड सैम शार्पे, आद्री के सदस्य सचिव शैबाल गुप्ता, नगर विकास विभाग के सचिव डॉ एस सिद्धार्थ, स्पर के विजन डायरेक्टर डॉ नारायणन इदनान व अन्य.

संवाददाता ■ पटना

ब्रिटिश सरकार की एजेंसी डिपार्टमेंट फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट (डीएफआइडी) बिहार के शहरों के विकास के लिए पांच सौ करोड़ रुपये की सहायता देगा. सपोर्ट प्रोग्राम फॉर अरबन रिफॉर्म (स्पर) के तहत मिलने वाली यह राशि शहरों के विकास व गरीबी उन्मूलन की योजना पर खर्च होगी. शहरों के विकास के लिए नीति बनेगी और शहरी संस्थाओं को विकसित किया जायेगा. डीएफआइडी, आद्री व इंटरनेशनल ग्रोथ सेंटर द्वारा 'बिहार के शहरों में आर्थिक विकास' पर शुक्रवार को आयोजित एकदिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में डीएफआइडी के कंट्री हेड सैम शार्पे ने शेष पेज 19 पर

देखें पेज 15

शहरों का आर्थिक विकास प्रतिस्पर्धी हो : सीएम

सेमिनार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का संदेश पढ़ कर सुनाया गया. मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि शहरों का विकास इस प्रकार होना चाहिए कि प्रति व्यक्ति आय में बढ़ोतरी हो और गरीबी उन्मूलन की योजना में तेजी आ सके. राज्य की 11 फीसदी आबादी शहरों में निवास करती है. शहरों का समग्र विकास होना चाहिए. नगर विकास विभाग को 22 जिलों का सिटी बिजनेस प्लान तैयार करने की जिम्मेवारी दी गयी है. इस प्लान में आर्थिक विकास के मुख्य बिंदुओं की पहचान की जायेगी. शहरों के आर्थिक समूहों की शृंखला तैयार की जायेगी. उन्होंने केंद्र व राज्य योजनाओं को आम लोगों तक पहुंचाने, शहरों की संरचना और सेवाओं के विकास में निवेश को बढ़ाने, पब्लिक-प्राइवेट साझेदारी को विकसित करने, सुशासन के लिए शहरों के विकास के लिए शेष पेज 19 पर